Subject :- Sociology Date :- 18/07/2020
Class :- 12th
Topic :- परिवार
By :- Dr. Shyamanand Choudhary
Guest Teacher Marwari College, Darbhanga
online Study Material No :- 119

परिवार (Family)

परिवार एक सार्वभौमिक संस्था है। यह प्रत्येक समाज व प्रत्येक काल में पाया जाता है किंतु प्रत्येक समाज एवं कालों में इसके स्वरूप में अन्तर पाया जाता है किंतु हम ऐसे समाज की स्थापना न करेंगे जिस समाज में परिवार नाम की संस्था न हो। जहाँ तक परिवार की अवधारणा का प्रश्न है यह कहा जा सकता है कि समाजशास्त्रीयों के बीच एक मत का अभाव पाया जाता है। यही कारण है कि भिन्नभिन्न समाज शास्त्रियों ने परिवार के भिन्न-भिन्न परिभाषाएँ प्रस्तुत किये हैं। कुछ लोगों ने परिवार के परिभाषा में संगठनात्मक पक्ष पर विशेष बल दिया है। तो कुछ लोगों ने इसके प्रकार्यात्मक पक्ष पर बल दिया है। उदाहरणार्थ :- Ogburn, Nimkoff & Boards ने परिवार की परिभाषा में संगठनात्मक पक्ष पर बल दिया है। इनलोगों के अनुसार "Family is more or less durable association of husband and wife or without children or of a man and woman alone with children."

"बच्चों या बिना बच्चों वाले एक पति-पत्नि के या किसी एक या एक स्त्री के अकेले ही अपने बच्चों सहित एक थोड़े बहुत स्थायी संघ को परिवार कहते हैं"

यह परिभाषा से यह भी पता चलता है कि परिवार का निर्माण होने के लिए विभिन्न शर्तें हैं। केवल पति-पत्नि से ही परिवार का निर्माण नहीं हो सकता। साथ ही पति-पत्नि और बच्चों का संगठन को परिवार कहा जा सकता है। इतना ही नहीं बल्कि पुरुष और उनके बच्चे एक साथ रहें तो यह भी परिवार कहा जा सकता है।

इसी तरह परिवार के प्रारंभिक प्रश्नों का उल्लेख करते हुए Maciver ने "परिवार प्रायः निश्चित यौन द्वारा एक ऐसा समिति है जो बच्चों करके तथा उनके लालन पालन करने की पालन करते हैं। यह परिभाषा यह नहीं है कि परिवार की संस्था के सदस्य होते हैं। यह परिभाषा मुख्य रूप

Scanned with CamScanner

2.

से परिवार के कार्यों पर प्रकाश डालती है। MacIver के अनुसार परिवार मुख्यतः यौन आवश्यकताओं की पूर्ति, संतानोत्पत्ति एवं उनके भरण-पोषण का कार्य करती है। साथ ही यह परिभाषा बताती है कि परिवार एक ऐसा समूह है जिसका आकार छोटा होता है और जो तुलनात्मक रूप से स्थायी प्रकृति का होता है। यद्यपि भिन्न-भिन्न विद्वानों ने पति-पत्नी और बच्चों को एक संगठन के रूप में परिभाषित किया है। किंतु वास्तविकता यह है कि परिवार में पति-पत्नि और बच्चों के अलावा निकट के सम्बन्धी भी पाए जाते हैं। अतः यह कहा जा सकता है कि परिवार पति-पत्नि बच्चों का निकट सम्बन्धियों का अपेक्षाकृत एक स्थायी संगठन है जिसमें विवाह, संतानोत्पत्ति, और वंश नाम के आधार पर व्यवस्थित रखा जाता है।

परिवार के प्रकार।
(Types of Family)

सत्ता के आधार पर :- (अ) मातृसत्तात्मक परिवार (ब) पितृसत्तात्मक परिवार

संगठन के आधार पर :- (अ) संयुक्त परिवार (ब) व्यक्तिगत परिवार (स) विस्तृत परिवार

विवाह के आधार पर :- (अ) एक विवाही परिवार (ब) बहुपति विवाही परिवार (स) बहुपत्नि विवाही परिवार

स्थान के आधार पर :- (अ) नवस्थानीय परिवार (ब) पितृस्थानीय परिवार (स) मातृस्थानीय परिवार

Scanned with CamScanner

परिवार के अर्थ
(Meaning of Family)

शाब्दिक रूप से परिवार Family के अर्थ को लैटिन शब्द Famulus की सहायता से समझा जा सकता है। Famulus शब्द का अर्थ 'सेवक' या 'सेवा करने वाला' है।

इससे स्पष्ट होता है कि परिवार उन व्यक्तियों का छोटा समूह है जो सेवा की भावना द्वारा एक-दूसरे से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित होते हैं।

विभिन्न विद्वान ने परिवार को भिन्न-भिन्न रूप में परिभाषित किया है:-

मैकाइवर व पेज (Maciver & Page) " परिवार वह समूह है जिनमें यौन सम्बन्धों की सामाजिक स्वीकृति होती है और जो इतना छोटा तथा शक्तिशाली होता है कि इसके द्वारा संतान के जन्म और पालन-पोषण की व्यवस्था की जा सके।"

ऑगबर्न तथा निमकॉफ (Ogburn & Nimkoff) " परिवार लगभग एक स्थायी समूह है जो पति - पत्नि से निर्मित होता है, चाहे उनके संतान हो या न हो।"

किंग्सले डेविस (Kingsley Davis) " परिवार ऐसे व्यक्तियों का समूह है जिसके सदस्यों के सम्बन्ध सगोत्रता पर आधारित होते हैं और जो इस प्रकार एक दूसरे के नातेदार होते हैं।" फिर आगे लिखा है कि "परिवार वह सबसे छोटा नातेदारी समूह है जिसमें माता-पिता तथा उनकी संतानों का समावेश होता है।"

बर्गेस और लॉक (Burgess & Locke) " परिवार ऐसे व्यक्तियों का समूह है जो विवाह, रक्त, या गोद लेने के सम्बन्धों द्वारा संगठित होते हैं, एक गृहस्थी का निर्माण करते हैं तथा पति - पत्नि, माता-पिता, पुत्र - पुत्री, भाई-बहन के रूप में एक दूसरे से क्रियाएँ करते हैं और एक सामान्य संस्कृति को बनाए रखने का प्रयत्न करते हैं।"

उपर्युक्त सभी परिभाषाओं से यह स्पष्ट हो रहा है कि परिवार रक्त सम्बन्धों या विवाह पर आधारित वह सबसे छोटा और स्थायी समूह है जिसमें प्राथमिक सम्बन्धों और भावनात्मक सुरक्षा की प्रधानता होती है।

S. N. Choudhary
Marwari College
L.N.M.U

Scanned with CamScanner